आप पढ़ रहे हैं देश का एकमात्र नो निगेटिव अखबार

# दैनिक भास्कर

आज नो निगेटिव अखबार

पटना | सोमवार, 02 जुलाई, 2018 | आषाढ़, कृष्ण पक्ष, 4, 2075

वाणिज्य कर विभाग के कार्यक्रम में प्रधान सचिव सुजाता चतुर्वेदी, उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी व ऊर्जा मंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव। दाएं जीएसटी के एक साल पूरे होने पर केक काटते सीजीएसटी बिहार-झारखंड के प्रधान मुख्य आयुक्त शिव नारायण।

## 'राजनीति में आज बहस नहीं, अंताक्षरी हो रहा है'

ऊर्जा मंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव ने कहा कि जटिल कर प्रणाली से जीएसटी ने कारोबारियों को छुटकारा दिया है। बिहार शुरू से ही जीएसटी का पक्षधर रहा है। उन्होंने राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा कि जीएसटी को गब्बर सिंह टैक्स कहने वाले देखे। कांग्रेस पर तंज सकते हुए उन्होंने कहा कि आज राजनीति में सकारात्मक बहस नहीं, बल्कि अंतराक्षरी हो रहा है। सकारात्मक बहस होने से देश के प्रगति का रास्ता बनता है।

## राजस्व 12 लाख करोड़ सालाना हो जाए तो 28% टैक्स स्लैब में वस्तुओं की संख्या कम होगी

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अगर चालू वित्तीय वर्ष 2018-19 में जीएसटी के तहत राजस्व संग्रह 12 लाख करोड़ रुपए जो जाए तो 28 फीसदी टैक्स स्लैब में वस्तुओं की संख्या कम होगी। एक नया स्लैब 15 फीसदी टैक्स का भी बनाया जा सकता है, जिसमें 18 फीसदी और 28 फीसदी टैक्स स्लैब वाली वस्तुओं को रखा जा सकता है। जैसे-जैसे राजस्व संग्रह का बेस बढ़ता जाएगा, कर प्रतिशत में कमी आती जाएगी। मौके पर सीजीएसटी बिहार-झारखंड के प्रधान मुख्य आयुक्त शिव नारायण सिंह, प्रधान सचिव वित्त एवं वाणिज्य कर सुजाता चतुर्वेदी, आयुक्त रंजीत कुमार, डॉ. प्रतिमा, अपर सचिव अरुण मिश्रा, अपर आयुक्त एसएन मिश्र, संयुक्त आयुक्त मार्कंडेय ओझा, बीआईए के प्रेसिडेंट केपीएस केसरी और बिहार चैंबर ऑफ कामर्स के प्रेसिडेंट पीके अग्रवाल आदि उपस्थित थे।